भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1797
बुधवार, 30 जुलाई, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

ग्राम पंचायत के लिए मौसम पूर्वानुमान प्रणाली

1797. श्री दरोगा प्रसाद सरोज :

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से 24 अक्टूबर, 2024 से देश में ग्राम पंचायतों के लिए पंचायत-स्तरीय मौसम पूर्वानुमान शुरू किया है;
(ख) यदि हाँ, तो उक्त प्रणाली की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं;
(ग) क्या लालगंज और आजमगढ़ लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों सहित उत्तर प्रदेश के किसान पंचायत-स्तरीय मौसम पूर्वानुमान सुविधा से अवगत हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) उत्तर प्रदेश सहित देश भर में कृषि आजीविका की रक्षा और प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या विभिन्न उपाय किए गए हैं; और
(ङ) मौसम की स्थिति के बारे में अग्रिम जानकारी प्राप्त करके प्राकृतिक आपदाओं से बचने के किसानों के प्रयासों में उनकी सहायता करने के लिए सरकार की क्या योजना है ताकि वे अपनी फसलों के प्रबंधन और उपज में अनिश्चितताओं से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठा सकें और सावधानियां बरत सकें?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क)-(ख) जी हाँ। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने ग्राम पंचायत स्तरीय मौसम पूर्वानुमान (GPLWF) पहल शुरू की है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पंचायती राज मंत्रालय (MoPR) के सहयोग से 24 अक्टूबर 2024 को भारत के लगभग सभी ग्राम पंचायतों के लिए ग्राम पंचायत स्तरीय मौसम पूर्वानुमान शुरू किया। ये पूर्वानुमान ई-ग्रामस्वराज (https://egramswaraj.gov.in/), मेरी पंचायत ऐप, पंचायती राज मंत्रालय के ई-मानचित्र और आईएमडी के मौसमग्राम (https://mausamgram.imd.gov.in/) जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं।

ग्राम पंचायत स्तरीय मौसम पूर्वानुमान का मुख्य लक्ष्य और उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर तक मौसम का पूर्वानुमान प्रदान करना है, जिसमें तापमान, वर्षा, आर्द्रता, हवा और बादलों की स्थिति- आवश्यक डेटा जो किसानों को बुवाई, कटाई और सिंचाई के बारे में सूचित निर्णय लेने के लिए आवश्यक है, जैसे महत्वपूर्ण पैरामीटर शामिल होते हैं। यह मंच देश भर में पंचायत स्तर पर कभी भी और कहीं भी मौसम पूर्वानुमान की जानकारी सुलभ बनाता है। कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत पशु सखियों और कृषि सखियों के साथ-साथ अन्य स्वयं सहायता समूहों (SHG) के माध्यम से इस मौसम की जानकारी के लिए बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंचने का प्रयास किया गया है। ग्राम पंचायत स्तरीय मौसम पूर्वानुमान किसानों को 36 घंटे की लीड अवधि के लिए प्रति घंटे उपलब्ध स्थानीय मौसम की जानकारी, 36 घंटे से अगले पांच दिनों तक हर 3 घंटे और अगले 5 दिनों से 10 दिनों तक हर 6 घंटे में उपलब्ध कराने में मदद करता है। इस पूर्वानुमान में तापमान, वर्षा, सापेक्षिक आर्द्रता, हवा और बादल जैसे महत्वपूर्ण मौसम मापदंडों को शामिल किया गया है। यह https://mausamgram.imd.gov.in/ लिंक पर भी उपलब्ध है।

(ग) इस संबंध में अभी तक कोई विशिष्ट सर्वेक्षण नहीं किया गया है। हालाँकि, मोबाइल ऐप के माध्यम से पूर्वानुमान अत्यंत उपयोगकर्ता-अनुकूल तरीके से आसानी से उपलब्ध है, और इस संबंध में किसानों में जागरूकता बढ़ाने के लिए आईएमडी द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही, पंचायत राज मंत्रालय ई-ग्राम स्वराज, मेरी पंचायत ऐप और ग्राम मानचित्र के माध्यम से बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के प्रभावी पहुँच को बढ़ावा देने के प्रयास कर रहा है। सभी पंचायत सरपंच और सचिव मेरी पंचायत ऐप का उपयोग करते हैं।

(घ)-(ङ) उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में कृषि आजीविका की रक्षा करने और मौसम संबंधी प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा बढ़ाने के लिए, आईएमडी कृषि मंत्रालय और राज्य कृषि विभाग, कृषि विश्वविद्यालयों आदि के समन्वय से, विशेष रूप से देश में कृषक समुदाय के लाभ के लिए ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (GKMS) योजना के तहत कृषि-मौसम संबंधी परामर्श सेवाएं (AAS) प्रदान करता है।

द्विसाप्ताहिक बुलेटिनों के साथ-साथ, भारी वर्षा, आंधी, बिजली, लू आदि जैसी चुनौतीपूर्ण मौसम घटनाओं के लिए जिला और उप-शहर स्तर तक प्रभाव-आधारित मौसम पूर्वानुमान और नाउकास्ट चेतावनियाँ भी साझा की जाती हैं।

****